(28)

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज 77/2021 कनोड बनाम शिवदयाल	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
5/4/23	पत्रावली पेश हुई। अन्य राजकार्य में व्यस्त होने के पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 10/4/23 को पेश हो। अतिरिक्त संभागीय [illegible] जयपुर	
10/4/23	पत्रावली पेश हुई। वकील [illegible] उपस्थित उप.। वकील [illegible] पे [illegible] अतः पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 12/4/23 को पेश हो। वकील अपीलांट ने प्रा. पत्र बाबत अपील विड्रो किए जाने प्रस्तुत किया। शा. फा. हो। अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जयपुर	2/4/15 Identified by [illegible] [illegible]
12.04.2023	पत्रावली पेश हुई। वकील अपीलांट श्री राजकुमार शर्मा एड. उप.। कैवियटकर्ता वकील श्री जितेन्द्र शर्मा रेस्पोडेन्ट नं. 4 की ओर से उपस्थित। वकील प्रार्थी अधिवक्ता अपीलांट द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र बाबत अपील विड्रो किये जाने पर उभयपक्ष को सुना गया। वकील अपीलार्थी श्री राजकुमार शर्मा ने प्रार्थना पत्र शीघ्र सुनवाई एवं अपील विड्रो करने के तथ्य को दोहराते हुए कथन किया है कि उक्त उनवानी प्रकरण में आज की तारीख पेशी नियत है। उक्त प्रकरण में प्रार्थी अपीलान्ट एवं रेस्पोडेन्ट के मध्य लोक अदालत की भावना से राजीनामा हो गया है तथा दोनों पक्षों ने लोक अदालत की भावना से एक पारिवारिक समझौता पत्र भी निष्पादित कर दिया जिसकी फोटो प्रति जो प्रार्थना पत्र के साथ संलग्न है। अपीलान्ट उक्त अपील में कोई कार्यवाही नहीं चाहता है। इस कारण अपील को विड्रो करना चाहता है। इसलिए उक्त उनवानी अपील को विड्रॉ किया जाना न्यायहित में आवश्यक है। उक्त उनवानी अपील को अपीलांट विड्रॉ करना चाहता है। प्रार्थी की ओर से प्रार्थना पत्र स्वीकार कर अपील विड्रो करने की कृपा करें। रेस्पोडेन्ट ने भी कोई आपत्ति नहीं की गयी। हमने अधिवक्ता अपीलान्ट की बहस पर मनन किया तथा पत्रावली का अवलोकन किया जिससे जाहिर होता है कि उक्त उनवानी प्रकरण में अपीलार्थी स्वंय ही अपनी अपील आगे नहीं चलाना चाहता हैं। रेस्पोडेन्ट कैवियटकर्ता को भी कोई आपत्ति नहीं है। ऐसी स्थिति में अब इस अपील को आगे चलाये जाने का कोई औचित्य प्रतीत नहीं होता है। अतः अपीलार्थी का प्रार्थना पत्र अपील विड्रो स्वीकार किया जाता है तथा अपीलार्थी स्वंय अपील विड्रो किये जाने के कारण अपील अपीलार्थी खारिज की जाती है। इस न्यायालय की पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम होकर बाद पूर्ति लेख भण्डार हो। (असलम शेर खान) अति. संभागीय आयुक्त, जयपुर	File dismissed as withdrawn of appeal. [illegible] 12/4/23